>

Title: Need to establish an apex body for Regional Rural Banks in the country.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि देश के एक महत्वपूर्ण और श्वेत-खलिहान, गांव-चौपाल पर जो आम आदमी की सेवा कर रहा है, आज भी उनके साथ विसंगतियां हैं, आज भी उनके साथ जो दिक्कतें हैं, उनकी ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। आज देश के अनेक राज्यों में लगभग 17,000 ग्रामीण बैंकों की शाखाएं हैं। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग तरह से ये काम करती हैं लेकिन आज भारत सरकार की जितनी योजनाएं हैं, चाहे विधवा-पैंशन हो, वृद्ध-पैंशन हो चाहे मनरेगा के अंतर्गत उनके खाते हों। गांव के उस इलाके में जहां बिजली भी नहीं है, वहां ग्रामीण बैंक की शाखा खुली है। वह शाखा हजारों की पसीने से तर भीड़ के लिए आज भी राष्ट्रीय कार्यक्रम की योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए वास्तविकता की धरातल पर संकल्पित और कटिबद्ध काम कर रही है। पूरे देश के ग्रामीण बैंकों के सभी कर्मचारी चाहते हैं कि आरआरबी पूरे देश के सभी राज्यों के ग्रामीण बैंक को मिला कर एक उसकी एपेक्स पार्टी राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जाए। पूर्व में हमारे वित्त मंत्री जी ने इस बारे में आश्वासन दिया था। मान्यवर, आपके क्षेत्र में भी जो बड़े-बड़े राष्ट्रीयकृत बैंक हैं, वे डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर में हैं, तहसील हैडक्वार्टर में हैं, विकास खंडों में आज भी अगर किसानों, मजदूरों, नौजवानों की अगर कोई सेवा कर रहा है, तो ग्रामीण बैंक की शाखाएं ही कर रही हैं। आज देश के 626 जिलों में से 616 जिलों में ग्रामीण बैंक हैं। इसमें विसंगतियां हैं कि आज जिस प्रकार से राष्ट्रीयकृत बैंकों के लोगों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन मिल रही है, आज ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों की पेंशन में भी विसंगतियां हैं। देश के ग्रामीण बैंकों के कर्मचारी कल विट्ठल भाई पटेल हाउस में आए थे। वहां बहुत-से सांसद भी गए थे। हम सभी ने इस बात के लिए उन्हें आश्वस्त किया था कि जो पेंशन की विसंगतियां हैं या अस्थाई कर्मचारी कार्य कर रहे हैं, उन्हें रेग्यूलराइज करने की बात है। निश्चित तौर पर ये ग्रामीण बैंकों की वाजिब मांगें हैं। मैं मांग करता हूं कि एक राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जाए तथा पेंशन की विसंगतियों को दूर करते हुए अस्थाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए।

श्री पन्ना लाल पुनिया : सभापति जी, मैं अपने आपको श्री जगदम्बिका पाल द्वारा उठाए गए विषय से सम्बद्ध करता हूं।